सांध्य दैनिक 4PM

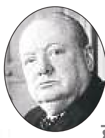

एक निराशावादी को हर अवसर में कठिनाई दिखाई देती है। एक आशावादी को हर कठिनाई में अवसर दिखाई देता है।

-विंस्टन चर्चिल

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 12 • अंक 110 पृष्ठ: 8 • लखनऊ, मंगलवार 26 मई, 2026

जीटी-आरसीबी फाइनल से एक... 7 | मोदी सरकार पर जारी है विपक्षी... 3 | प्रतीक की तेरहवीं में पहुंचकर अखिलेश... 2

नीट के बाद सवालों के घेरे में सीबीएसई बोर्ड!

रिजल्ट, मेरिट व मेहनत सब शक के दायरे में

» ऑन लाइन स्क्रीनिंग बनी गले की हड्डी

» छात्रों ने लगाये गलत ऑनसर शीट टैगिंग के आरोप

» बदला जाएगा रिजल्ट वेदांत नाम के छात्र ने एक्स पर लगाये थे गंभीर आरोप

» कांग्रेस व आप ने शिक्षामंत्री पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तो क्या भारत की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह राम भरोसे चल रही है। नीट पेपर लीक के बाद सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं पर भी गभीर सवाल उठना शुरू हो गये हैं। वेदांत नाम के छात्र ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के जरिये बोर्ड पर गंभीर आरोप लगाये थे।

आरोपों के बाद सीबीएसई बोर्ड ने माना कि कापी चेकिंग में त्रुटि हुई है। बार्ड ने वेदांत के साथ एक और अन्य छात्र का रिजल्ट बदलने की बात स्वीकार की है। गौरतलब है कि इस बार इंटरमीडिएट आनसर शीट को आनलाइन चेक किया गया था। तमाम सामाजिक संगठनों और छात्रों ने बोर्ड की इस प्रक्रिया को संदेह के घेरे से देखा था। अब इन लोगों का संदेह विश्वास में बदल चुकने के प्रमाण सामने आने लगे हैं। वहीं इस पर विपक्ष ने भी सरकार को घेरना शुरू कर दिया। कांग्रेस व आप ने शिक्षा मंत्री पर सवाल दागे हैं।

छात्र वेदांत ने लगाए ये आरोप

वेदांत नाम के छात्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया कि री-इवैल्यूएशन के दौरान उसे जो फिजिक्स की आंसर शीट दिखाई गयी थी वह उसकी थी ही नहीं। छात्र का आरोप है कि सीबीएसई की नई डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली में किसी दूसरे छात्र की कॉपी उसके नाम से टैग कर अपलोड कर दी गई। यानी जिस कॉपी के आधार पर उसके भविष्य का फैसला होना था वह कथित तौर पर किसी और की निकली। सोचिए एक छात्र महीनों मेहनत करे रातें जागकर पढ़ाई करे परीक्षा दे और फिर रिजल्ट किसी डिजिटल गड़बड़ी की भेंट चढ़ जाए। यह सिर्फ तकनीकी गलती नहीं बल्कि छात्रों के सपनों के साथ खिलवाड़ जैसा आरोप है। वेदांत ने बताया कि जब उसने उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी देखी तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गयी। कॉपी में लिखावट अलग थी जवाब अलग थे और पूरा पैटर्न ही ऐसा था जिससे साफ लग रहा था कि वह उसकी आंसर शीट नहीं थी। छात्र का कहना है कि ऐसी लापरवाही उसके नंबरों पर ही नहीं बल्कि कॉलेज एडमिशन और करियर पर भी भारी असर डाल सकती है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर डिजिटल सिस्टम में कॉपियां गलत तरीके से टैग हो सकती हैं तो फिर छात्र इस प्रक्रिया पर भरोसा कैसे करें? क्या तकनीक के नाम पर छात्रों का भविष्य स्कैनिंग और अपलोडिंग की गलतियों के भरोसे छोड़ दिया गया है? वेदांत ने सीबीएसई से मांग की है कि मामले की गंभीर जांच करायी जाए। उसने मूल फिजिकल आंसर शीट की जांच स्कैनिंग और टैगिंग प्रक्रिया का ऑडिट कराने और यह पता लगाने की मांग उठाई है कि आखिर इतनी बड़ी चूक हुई कैसे। यह मामला अब सिर्फ एक छात्र की शिकायत नहीं रह गया बल्कि देश की सबसे बड़ी शिक्षा बोर्ड की विश्वसनीयता पर सीधा सवाल बनता जा रहा है। क्योंकि अगर उत्तर पुस्तिकाओं की पहचान ही गड़बड़ा जाए तो फिर रिजल्ट मेरिट और मेहनत सब कुछ शक के घेरे में आ जाता है। डिजिटल इंडिया के दौर में तकनीक सुविधा बन सकती है लेकिन अगर निगरानी कमजोर हो जाए तो यही तकनीक छात्रों के भविष्य पर सबसे बड़ा खतरा भी बन सकती है। अब सबकी नजर सीबीएसई पर है कि वह इस आरोप को महज तकनीकी त्रुटि कहकर टालता है या फिर पारदर्शिता दिखाते हुए सच सामने लाता है।

सीबीएसई से यही अब सबसे बड़ा सवाल

क्या यह सिर्फ एक आईसोलेटेड केस है या फिर सिस्टम में कहीं और भी ऐसी खामियां छिपी हुई हैं कितने छात्रों की कॉपियां गलत टैग हुईं कितनों के भविष्य पर चुपचाप गलत मूल्यांकन की धूल डाल दी गई? क्योंकि अब मामला केवल एक छात्र की जीत का नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर लगे सवाल का है। और इस बार सवाल पूछने वाला सिर्फ वेदांत नहीं पूरा देश है।

अगर न दिखायी होती हिम्मत तो फिर क्या होता

सोचिए अगर वेदांत ने कॉपी मांगने की हिम्मत न दिखाई होती तो क्या होता? अगर उसने सोशल मीडिया पर आवाज न उठाई होती तो शायद उसकी मेहनत हमेशा के लिए किसी सिस्टम एरर के नीचे दब जाती। एक गलत टैगिंग एक गलत स्कैनिंग और पूरा करियर दांव पर। सबसे खतरनाक बात यह है कि अब छात्रों के मन में यह डर बैठ गया है कि कहीं उनकी कॉपी भी किसी और के नाम से तो अपलोड नहीं हो गयी कहीं उनके नंबर भी किसी तकनीकी लापरवाही की बलि तो नहीं चढ़ गए। डिजिटल सिस्टम को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं पर पारदर्शिता, स्पीड, सटीकता की कहीं न कहीं कमी जरूर दिखायी देती है। लेकिन इस मामले ने बता दिया कि अगर निगरानी कमजोर हो जाए तो तकनीक सुविधा नहीं विनाश का हथियार बन जाती है। और जब गलती शिक्षा व्यवस्था में हो तब उसका नुकसान सिर्फ नंबरों तक सीमित नहीं रहता वह आत्मविश्वास तोड़ देता है सपनों को झकझोर देता है।

कोआर्डिनेशन सचिव ने साझा की कॉपी

सीबीएसई ने आखिरकार वेदांत को मेल भेजकर उसकी सही फिजिक्स उत्तर पुस्तिका साझा की। बोर्ड के संयुक्त सचिव (कोऑर्डिनेशन) की तरफ से भेजे गए मेल में लिखा गया है कि कृपया फिजिक्स की आपकी सही उत्तर पुस्तिका संलग्न है। नए अंकों के आधार पर आपका परिणाम जल्द अपडेट किया जाएगा। लेकिन इस एक मेल ने शिक्षा व्यवस्था की चमकदार डिजिटल दीवार में इतनी बड़ी दरार दिखा दी है कि जिसे अब छुपाना आसान नहीं होगा। क्योंकि यह मामला सिर्फ मार्क्स अपडेट का नहीं है बल्कि यह उस मानसिक यातना का मामला बन चुका है जिससे लाखों छात्र हर रिजल्ट सीजन में गुजरते हैं।

जांच में सही पाए गये छात्रों के आरोप

जिस आशंका को पहले छात्रों की बेचैनी कहकर नजरअंदाज किया जा रहा था अब वही सीबीएसई के लिए सबसे बड़ा तमाचा बन चुकी है। सोशल मीडिया पर उठे बवाल के बाद जब बोर्ड ने जांच करायी तो छात्र वेदांत की शिकायत सही निकली। यानी जिस फिजिक्स की आंसर शीट को लेकर छात्र लगातार सवाल उठा रहे थे उसमें सचमुच गड़बड़ी हुई थी। इतना ही नहीं केमिस्ट्री विषय से जुड़ी एक दूसरी शिकायत भी जांच में सही पायी गयी। अब सवाल सिर्फ एक छात्र का नहीं है बल्कि सवाल देश के करोड़ों छात्रों के भविष्य का है। आखिर ये कैसी डिजिटल पारदर्शिता है जहां किसी और की कॉपी किसी और के नाम से अपलोड हो जाती है? और अगर छात्र सोशल मीडिया पर आवाज न उठाता तो क्या यह गलती कभी सामने भी आती।

प्रधानमंत्री मोदी का अहंकार तोड़ेगा युवा : राहुल गांधी

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह छात्रों को निशाना बना रही है और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन में कथित त्रुटियों से संबंधित शिकायतों को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने बताया कि उत्तर पुस्तिका में सुधार करवाने के लिए आए एक छात्र को गाली-गलौज का सामना करना पड़ा और सोशल मीडिया पर उसे राष्ट्र-विरोधी करार दिया गया। राहुल गांधी ने आगे कहा कि लाखों छात्रों ने मूल्यांकन प्रक्रिया में खामियों को लेकर चिंता जताई है, लेकिन अभी तक कोई उचित कार्रवाई नहीं की गई है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि मोदी-प्रधान की जोड़ी ने एक और संस्था को धांधली का प्रतीक बना दिया। दशकों में पहली बार सीबीएसई बोर्ड परीक्षा पर इतने गंभीर सवाल उठे हैं। 18.5 लाख बच्चों ने परीक्षा दी और एक हफ्ते से ओएसएम गलत मार्किंग और जांच की गड़बड़ी की शिकायतें अनसुनी पड़ी हैं और शिक्षा मंत्री अपनी कुर्सी से चिपके हुए हैं। उन्होंने कहा कि 17 साल का एक बच्चा, जिसकी कॉपी गलत जांची गई, न्याय की उम्मीद में सोशल मीडिया पर आया। मगर, उसे मदद नहीं, गालियां मिलीं, भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ ने उसे 'राष्ट्रविरोधी' कहा, सोरोस का एजेंट कहा, 'डीप स्टेट' का हिस्सा कहा। जब 17 साल का बच्चा अपने भविष्य के लिए आवाज उठाता है, तो भाजपा उसे देशद्रोही बना देती है।

सबसे अक्षम और निकम्मे केंद्रीय शिक्षा मंत्री हैं प्रधान : केजरीवाल

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अक्षम और निकम्मा करार देते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री की वजह से देश भर के लाखों बच्चों को मानसिक प्रताड़ना नहीं दी जा सकती। केजरीवाल ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की मूल्यांकन प्रणाली में कथित नियमितताओं को लेकर प्रधान के इस्तीफे की मांग की। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर हिंदी में जारी एक वीडियो संदेश में कहा, सीबीएसई मूल्यांकन में भारी अनियमितताओं ने लाखों बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत बर्खास्त कर देना चाहिए। पहले नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) और अब सीबीएसई। प्रधान एक दिन भी शिक्षा मंत्री के पद पर रहने के योग्य नहीं हैं। कक्षा 10वीं और 12वीं के कई छात्र भारी तनाव में हैं और उनके माता-पिता भी काफी परेशान हैं। बच्चों ने पुनर्मूल्यांकन की मांग की है। साथ ही पुनर्मूल्यांकन शुल्क कम किया जाना चाहिए।

प्रतीक की तेरहवीं में पहुंचकर अखिलेश यादव ने दी पुष्पांजलि

» डिंपल समेत पूरा यादव परिवार हुआ शामिल, योगी भी पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक की आज तेरहवीं हुई। कार्यक्रम में पत्नी अपर्णा यादव ने पूड़ियां बांटीं। अखिलेश यादव को खाना परोसा। इस दौरान जब लोगों ने 'प्रतीक भैया अमर रहें' के नारे लगाए, तो वह खुद को रोक नहीं पाईं। उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया और घर के अंदर चली गईं। सीएम योगी भी तेरहवीं में शामिल हुए। उन्होंने प्रतीक को श्रद्धांजलि दी और अपर्णा को सांत्वना दी। अखिलेश, शिवपाल यादव और डिंपल यादव समेत पूरा परिवार अपर्णा के घर पहुंचा। राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने भी पूड़ियां बांटीं। लोकगायिका मालिनी अवस्थी और अभिनेता राजपाल यादव भी तेरहवीं में पहुंचे। लखनऊ में विक्रमादित्य मार्ग पर स्थित अपर्णा के घर पर तेरहवीं कार्यक्रम हुआ। इसमें रामधुन बजी। शहर के कई इलाकों में प्रतीक की तेरहवीं से जुड़े शोक संदेशों के होर्डिंग लगाए गए हैं। 13 मई की सुबह प्रतीक यादव का 38 साल की उम्र में हार्ट अटैक से निधन हो गया था। अगले दिन यानी 14 मई को लखनऊ के बैकुंठ धाम श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

मुखाग्नि ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने दी थी। 16 मई को हरिद्वार के में प्रतीक की अस्थियां विसर्जित की गईं। अपर्णा बेटियों के साथ चार्टर्ड प्लेन से उत्तराखंड गई थीं। शिवपाल के बेटे आदित्य यादव भी उनके साथ गए थे।

बढ़ोत्तरी करनी ही थी तो चुनाव से पहले जनता को बता देते : पायलट

» नीट, महंगाई से लेकर हर मुद्दे पर कांग्रेस नेता ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। पूर्व उपमुख्यमंत्री और टोंक विधायक सचिन पायलट ने बहुचर्चित धर्मांतरण और आत्महत्या मामले के मृतक कुणाल गुर्जर के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों में भी शिरकत की। इस दौरान भाजपा सरकार पर हमलावर रहे।

मीडिया से बातचीत करते हुए पायलट ने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद रोज पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ रहे हैं। अगर बढ़ोतरी करनी ही थी तो चुनाव से पहले जनता को बता देते लेकिन चुनाव के समय सिर्फ भाषण दिए गए। अब कहा जा रहा है कि बचत करनी है, खाने के तेल का कम उपयोग करना है और सोना नहीं खरीदना है। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से चौतरफा महंगाई बढ़ती है। खाने-पीने की चीजों से लेकर हर वस्तु महंगी हो जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार का महंगाई पर कोई ध्यान नहीं है। सरकार का एकमात्र एजेंडा सिर्फ चुनाव जीतना, विपक्ष को प्रताड़ित करना और विपक्ष के लोगों को बदनाम करना रह गया है। नीट पेपर लीक मामले पर उन्होंने कहा कि लगातार तीसरी बार नीट पेपर लीक हुआ है 24, 25 और 26 में। सरकार हर बार जांच सीबीआई को सौंपकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है। जब मामला उजागर हो जाता है, तभी परीक्षा रद्द की जाती है। ऐसे कितने पेपर होंगे जिनमें नकल हुई होगी या पेपर लीक हुआ होगा, लेकिन उन्हें रद्द नहीं किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर तंज कसते हुए पायलट ने कहा कि प्रधानमंत्री लगातार विदेश यात्राएं कर रहे हैं और देश की जनता को बचत के प्रवचन दे रहे हैं। गरीब जनता की जेब पर महंगाई का डाका डाला जा रहा है लेकिन सरकार के मंत्री अपने पद बचाने में लगे हैं। चाहे शिक्षा मंत्री हों या पेट्रोलियम मंत्री, कोई इस्तीफा देने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी बनती है कि जो विभाग लगातार फेल हो रहे हैं, उन्हें जवाबदेह बनाया जाए लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा।

विधायक रविदास मेहरोत्रा के सरकारी आवास में चोरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हुसैनगंज के ओसीआर बिल्डिंग स्थित मध्य क्षेत्र के विधायक रविदास मेहरोत्रा के निवास से चोरी का मामला सामने आया है। उनके फ्लैट से दो कंप्यूटर और एक आईफोन-17 चोरी हो गए। विधायक ने अपने सोशल मीडिया संचालक अरिहंत जैन पर चोरी का आरोप लगाया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

विधायक ने तहरीर में बताया कि अरिहंत जैन उनका सोशल मीडिया चलाता था। अरिहंत ने काम के लिए उच्च गुणवत्ता वाले कंप्यूटर, लैपटॉप और आईफोन-17 मांगे थे। उन्होंने उसे ये उपकरण खरीदवाए और फ्लैट नंबर 32 में रहने दिया। 21 और 22 मई की रात अरिहंत बिना बताए कमरे की चाबी लेकर भाग गया। उन्होंने फोन किया तो उसका नंबर बंद मिला। शंका होने पर उन्होंने दूसरी चाबी से फ्लैट खुलवाया। वहां से दो कंप्यूटर और आईफोन-17 गायब मिले। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर पता चला कि अरिहंत ने विधायक निवास का एक कैमरा तोड़ दिया था। फुटेज में 22 मई की रात करीब एक बजे एक चार पहिया वाहन दिखा। अरिहंत ने दो लोगों के साथ मिलकर चोरी का सामान गाड़ी में रखा और भाग निकला। विधायक ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सरकार के 12 साल, गौरवकाल या झूठ का पुलिंदा : रोहिणी

» राजद प्रमुख की पुत्री ने पीएम मोदी को फिर बनाया निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आज सवेरे-सवेरे राजद नेता रोहिणी आचार्या सोशल मीडिया के द्वारा पीएम मोदी को निशाना बनाया है। उन्होंने पीएम मोदी सरकार के बारह साल को झूठ और फरेब बेमिसाल बताया है। उन्होंने मीडिया पर भी तंज कसे हैं।

रोहिणी ने एक एआई जेनरेटेड तस्वीर भी जारी की है। राजद नेता रोहिणी आचार्या ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि, सरकार से सवाल करने से परहेज करने एवं कतराने वाली प्रायोजित मीडिया का बड़ा हिस्सा, तर्क, तथ्य व विवेक विहीन भाजपाई एवं उनके समर्थक और अंधभक्त मई 2014 से मई 2126 तक के 12 वर्षों को मोदी सरकार के गौरवशाली बारह वर्ष बताते नहीं थकते, लेकिन पिछले 12 वर्षों में मोदी जी व उनकी सरकार के द्वारा देश की जनता को किए गए वादों और हकीकत की तटस्थ, तथ्यपरक, तार्किक तुलना एवं विवेचना करने के पश्चात् सही निष्कर्ष यही निकलता है कि मोदी जी और उनकी सरकार ने सिर्फ यही किया है झूठ को बड़ा बनाओ, बार-बार दुहराते रहो और तमाम बेजा हथकंडों एवं फरेब की मदद से लोगों को उस पर विश्वास करने पर मजबूर कर देश की जनता को ठगते रहो। राजद नेता रोहिणी आचार्या ने मुख्यधारा की मीडिया के एक बड़े हिस्से पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि मीडिया का यह हिस्सा सरकार से जरूरी सवाल पूछने से कतराता रहा है। साथ ही, बिना किसी ठोस तर्क या विवेक के सरकार का समर्थन करने वालों को अंधभक्त बताते हुए कहा कि ये लोग बिना तथ्यों के ही इन 12 वर्षों को बेमिसाल बताने में जुटे हैं। राजद नेता रोहिणी आचार्या ने पीम मोदी पर तंज कसते हुए एक एआई जेनरेटेड तस्वीर भी पोस्ट किया है, उस तस्वीर में उपर में लिखा है मोदी सरकार के बारह साल झूठ और फरेब बेमिसाल। उस तस्वीर में गैस, पेट्रोल, डीजल और राशन की बढती मंहगाई भी दिखाई गई है।

'दो कौड़ी का कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष'

अजय राय पर योगी सरकार के मंत्री अनिल राजभर ने की अभद्र टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

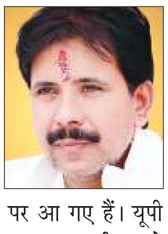

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद कांग्रेस नेता अजय राय पर भाजपा नेताओं के जुबानी हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसी कड़ी में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने अजय राय पर इस आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ अपना विरोध ज़ाहिर किया. इस दौरान उन्होंने अजय राय को लेकर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया और उन्हें दो कौड़ी का प्रदेश अध्यक्ष बताया।

यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर वाराणसी में एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान पत्रकारों ने जब उनसे अजय राय द्वारा पीएम मोदी पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कांग्रेस नेता पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि वो अब एआई पर आ गए हैं। यूपी सरकार के हंटर से डर गए, बहुत बड़ा वीर बनते थे, मैंने क्या कहा था यह दो कौड़ी का प्रदेश अध्यक्ष, आज अपनी असली औकात में आ गया। मंत्री ने कहा कि जब हंटर चलने की संभावना देखी तो लगे थूक कर चाट की कोशिश की और कहा कि हमने नहीं कहा. ये आदमी अस्पताल में भर्ती था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की और उनके खिलाफ यह आदमी बयान दे रहा है।

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

चुनाव खत्म होते ही बढ़ी महंगाई : राव नरेंद्र

» हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष बोले- सर्वदलीय बैठक बुलाए सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करती है लेकिन चुनाव खत्म होते ही महंगाई बढ़ाकर जनता पर आर्थिक बोझ डाल देती है।

केंद्र सरकार को महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सर्वदलीय बैठक या संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले से ही बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट को लेकर सरकार को आगाह करते रहे हैं। पेट्रोल-डीजल के दाम एक साथ बढ़ाने के बजाय धीरे-धीरे बढ़ाए जाते हैं ताकि लोगों पर असर कम दिखाई दे। आम आदमी की जेब लगातार खाली होती रहती है। हाल के दिनों में ईंधन की कीमतों में करीब 8 रुपये तक बढ़ोतरी हुई है जिससे हर वर्ग प्रभावित हुआ है। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से केवल वाहन चलाना ही महंगा नहीं होता बल्कि इसका असर खाने-पीने की चीजों, परिवहन, रसोई गैस और रोजमर्रा के सामान पर भी पड़ता है।

भाजपा सरकार ने जनता को महंगाई के बोझ तले दबा दिया : अभय

इनेलो प्रमुख अभय सिंह चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों ने आम जनता को महंगाई के बोझ तले दबा दिया है। पिछले 10 दिनों में तीन बार पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और रसोई गैस के दाम बढ़ाकर सरकार ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी है। बेरोजगारी और महंगाई से युवा व मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है। अभय चौटाला ने कहा कि पहली बार प्रदेश में पेट्रोल 10 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गया है। बिजली, पानी, दाल, आटा, खाने का तेल और सब्जियों के दाम लगातार बढ़ने से आम लोगों का बजट बिगड़ गया है। भाजपा सरकार ने पिछले कई वर्षों में पेट्रोल-डीजल पर भारी टैक्स लगाकर जनता से करोड़ों रुपये वसूले हैं। चुनाव के दौरान कीमतें स्थिर रखी जाती हैं लेकिन चुनाव खत्म होते ही जनता पर महंगाई का बोझ डाल दिया जाता है।

मोदी सरकार पर जारी है विपक्षी प्रहार

तीसरे कार्यकाल में विवादों से पड़ा है पाला

» कांग्रेस बोली- भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों का नजरिया नकारात्मक

» सपा व अन्य दलों ने भी खोला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरकार 3.0 सरकार जबसे आई है विवाद व विपक्ष के वार से उसका पीछा नहीं छूट रहा है। कभी कश्मीर में आतंकी हमले को लेकर तो कभी एक चुनाव, परिसीमन, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सवालों के घेरे में रहती है। वर्तमान में वह पीएम के अपील, नीट परीक्षा रद, विदेश यात्रा व भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर विपक्षी हमलों से घिरी है।

कांग्रेस ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले ही ज्ञान के बल पर चुनाव जीत रहे हों लेकिन आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए उन्हें नए ज्ञान की आवश्यकता है।

मोदी जी को आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए नए ज्ञान की आवश्यकता : जयराम

संचार प्रभारी कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों का नजरिया इतना नकारात्मक हो गया है कि मोदी सरकार के पेशेवर समर्थक भी अपनी चिंताओं को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई के अनुमान तेजी से बढ़ रहे हैं जबकि विकास के अनुमान काफी कम हो गए हैं। जयराम रमेश ने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) लगातार घट रहा है और आपूर्ति श्रृंखलाओं का इतना गंभीर कुप्रबंधन हुआ है कि प्रधानमंत्री ने अब उपभोक्ताओं से उपभोग कम करने का आग्रह किया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि इन चिंताओं में कुछ भी नया नहीं है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इन्हें कुछ समय से उठा रही है, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सुस्त निवेश माहौल से संबंधित है। प्रधानमंत्री द्वारा इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को

> "प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) लगातार घट रहा है और आपूर्ति श्रृंखलाओं का इतना गंभीर कुप्रबंधन हुआ है कि प्रधानमंत्री ने अब उपभोक्ताओं से उपभोग कम करने का आग्रह किया है।"

टॉफियां भेंट करने का जिक्र करते हुए रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री टॉफियां बांटने और जनता से धार्मिक अपील करने में व्यस्त हैं। उन्होंने दावा किया कि देश के पैरों तले ज़मीन खिसक रही है। हमें आर्थिक नीति-निर्माण में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है, लेकिन मोदी सरकार के पास हमेशा की तरह आत्म-प्रशंसा के सिवा कोई नया विचार नहीं है। कांग्रेस नेता ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ज्ञानेश के माध्यम से चुनाव करा रहे हैं, लेकिन उन्हें अर्थव्यवस्था के लिए एक नए ज्ञान की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निजी निवेश की दर में महत्वपूर्ण वृद्धि के बिना आर्थिक विकास को उच्च स्तर पर गति देना और उसे बनाए रखना संभव नहीं है, जबकि वास्तव में ऐसा होना ही चाहिए। निजी निवेश की यह दर इसलिए आगे नहीं बढ़ पाई है क्योंकि वास्तविक वेतन स्थिर बना हुआ है, जिससे सभी आय वर्गों में उपभोग की वृद्धि बाधित हो रही है। उपभोक्ता मांग के अभाव में, भारतीय कंपनियों के पास निवेश करने का कोई प्रोत्साहन नहीं है।

एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह के बयान पर भी नाराजगी

उनकी यह टिप्पणी एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह के उन बयानों के बाद आई है, जिसमें उन्होंने संसदीय स्थायी समिति को बताया था कि परीक्षा का प्रश्नपत्र पूरी तरह से लीक नहीं हुआ था, बल्कि परीक्षा से पहले केवल कुछ प्रश्न ही सामने आए थे। रमेश ने X पर एक पोस्ट में कहा कि 18 में एनटीए के गठन के बाद से, मोदी

सरकार और उसका तंत्र एनटीए द्वारा आयोजित परीक्षाओं में व्याप्त अनियमितताओं और धोखाधड़ी की सच्चाई को दबाने के लिए प्रश्नपत्र लीक माफिया के साथ मिलीभगत कर रहा है। उन्होंने एनटीए के इस दावे पर भी सवाल उठाया कि परीक्षा की पूरी परीक्षा लीक नहीं हुई थी। उनका तर्क था कि परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों वाले अनुमानित प्रश्नपत्र का प्रसार ही लीक के बराबर है। उन्होंने पूछा कि आज हमें मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि एनटीए के महानिदेशक ने कल एक संसदीय समिति के सामने दावा किया था कि 26 की परीक्षा लीक नहीं हुई थी। अगर यह सच है, तो यह शर्मनाक और घोर बेईमानी है, क्योंकि यह स्पष्ट है कि परीक्षा की तारीख से काफी पहले ही छात्रों के बीच एक अनुमानित प्रश्नपत्र प्रसारित हो रहा था, जिसमें वास्तविक परीक्षा में पूछे गए दर्जनों प्रश्न शामिल थे। अगर यह लीक नहीं है, तो क्या है? मोदी सरकार अब इसे क्यों नकारने की कोशिश कर रही है?

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने पर अड़े

जयराम रमेश शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को निशाना बनाते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री एक ऐसी व्यवस्था की अध्यक्षता कर रहे हैं जिसमें पेशेवर उत्कृष्टता को नजरअंदाज किया जाता है और वैचारिक जुड़ाव को महत्व दिया जाता है। इस भीषण त्रासदी और इसके चल रहे लीपापोती के लिए प्रधानमंत्री और मंत्री प्रधान

दोनों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। ये टिप्पणियां एनईटी-यूजी 2026 विवाद पर बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच आई हैं, जब एनटीए अधिकारियों ने संसदीय समिति को बताया कि प्रश्नपत्र पूरी तरह से लीक नहीं हुआ था और परीक्षा से पहले केवल कुछ प्रश्न ही सामने आए थे।

नीट 26 पेपर लीक मामले में निशाने पर

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने नीट 26 पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर सच्चाई दबाने का आरोप लगाते हुए उनकी जवाबदेही तय करने की मांग की है। उन्होंने एनटीए के दावों को खारिज करते हुए कहा कि सरकार पेपर लीक माफिया के साथ मिलकर इस पूरी त्रासदी पर पर्दा डाल रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि नीट यूजी 26 परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक और इसे दबाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार और उसका तंत्र राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित परीक्षाओं में व्यापक अनियमितताओं के सबूतों को दबाने का प्रयास कर रहा है। रमेश ने नरेंद्र मोदी सरकार पर प्रश्नपत्र लीक माफिया के साथ मिलकर सच्चाई को दबाने का भी आरोप लगाया।

भाजपा के कुराज में सब परेशान : अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राज्य में बिजली संकट के लिए भाजपा की योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। अखिलेश ने एक्स अकाउंट से लिखा- बिजली के नये प्लांट लगाना तो आपके बस में था नहीं, न ही आपकी तंग सोच में। मुंह से ये कह ही देते '3× 660 सुपर पावर थर्मल पावर प्लांट, तो गर्मी में झुलसते प्रदेशवासियों को सुनकर ही थोड़ी राहत मिल जाती। भाजपा के कुराज में उप्र में बिजली की सिर्फ 'माग' बढ़ रही है या 'दाम' बढ़ रहे हैं, सप्लाई-आपूर्ति नहीं। भाजपा राज, यूपी खस्ताहाल। वहीं

अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा की सरकार के दो कार्यकाल बिना किसी उपलब्धि के समाप्ति की ओर है। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बना दिया है। किसानों की फसलों की लूट मची है। नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। भाजपा राज में महिलाएं उपेक्षित और अपमानित हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है। इस सरकार ने प्राइमरी स्कूलों की दुर्दशा कर दी है। लगभग हजारों स्कूल बंद कर दिए। हजारों स्कूलों में एडमिशन शून्य है। अस्पतालों में मरीजों को दवा-इलाज नहीं मिल रहा है। मरीज मारे-मारे फिर रहे हैं।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा चालाक और अहंकारी पार्टी है। इसने लोकतंत्र को धोखा दिया है। भाजपा राजनीतिक दल नहीं गैंग है। भाजपाई गरीबों और सरकारी जमीनों पर कब्जा कर रहे है। भाजपा ने भूमाफिया बनाये हैं। उन्हें संरक्षण देती है। 27 विधानसभा का चुनाव यूपी की जनता के भविष्य का चुनाव है। चुनाव में भाजपा को दो दशक का हिसाब देना होगा। उत्तर प्रदेश की जनता की ताकत भाजपा का सफाया कर देगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

सरकार यहां तो रोज जाम हो गया है आम

> “ पिछले मंगलवार को लोग शहर के चारों ओर कई-कई घंटों जाम में फंसे रहे है। बहुत से लोग तो गर्मी की वजह से बीमार भी पड़ गए। पर सरकार व यातायात पुलिस की कान पर जूं तक नहीं रेंकती है। धार्मिक आयेजन तो कभी-कभी ही होते हैं जबकि लखनऊ या अन्य शहरों में यह समस्या रोज की है।

प्रदेश में एक तरफ तो सड़क पर जाम लगने का हवाला देकर सड़क पर नमाज न पढ़ने को लेकर सियासत हो रही हैं वही पूरे प्रदेश में इस भीषण गर्मा में जगह-जगह ट्रैफिक जाम होने से लोग परेशान हैं। सबसे ज्यादा राजधानी लखनऊ के लोग बेहाल है। पिछले मंगलवार को लोग शहर के चारों ओर कई-कई घंटों जाम में फंसे रहे है। बहुत से लोग तो गर्मी की वजह से बीमार भी पड़ गए। पर सरकार व यातायात पुलिस की कान पर जूं तक नहीं रेंकती है। धार्मिक आयोजन तो कभी-कभी ही होते हैं जबकि लखनऊ या अन्य शहरों में यह समस्या रोज की है। कई बार कोर्ट विभागों को फटकारता है पर सिर्फ एक या दो दिन अखबारबाजी होती है फिर मामला जस का तस। मुस्कुराईए की आप लखनऊ अब धीरे-धीरे एक ऐसे शहर में बदलता जा रहा है, जहां आम आदमी की जिंदगी 'राजनीति' की भेंट चढ गई है। सुबह-दोपहर निकलो तो जाम, शाम को लौटो तो भी जाम। ट्रैफिक जाम तो चलो व्यवस्थागत खामी का नतीजा है, लेकिन खास रास्तों पर राजनीतिक 'नूराकुश्ती' तो जाम को बिना बुलाए न्योता देने जैसा है।

कितना बुरा लगता है कि जब जनता वक्त पर घर-दफ्तर पहुंचना चाहती है, लेकिन रास्ते में 'नेता' अपने समर्थकों के साथ आसान राह की बाधा बन खड़ा मिलता है। हां वे ये दावा जरूर करते हैं कि जनता की लड़ाई लड़ रहे हैं, मगर सवाल यह है कि किस जनता की? क्योंकि असली जनता तो उसी वक्त सड़क पर फंसी होती है। कोई एम्बुलेंस में तड़प रहा होता है, कोई व्यापारी अपने प्रतिष्ठान तक नहीं पहुंच पाता, कोई मजदूर अपनी आधी दिहाड़ी खो देता है, कोई बच्चा तेज गर्मी में स्कूल वैन में बैठा रो रहा होता है। क्या लोकतंत्र का अर्थ अब सिर्फ यह रह गया है कि जिसके पास भीड़ और झंडा है, वह पूरे शहर को बंधक बना सकता है? विडंबना यह है कि यह अव्यवस्था अचानक नहीं होती। धरनों और प्रदर्शनों की अनुमति दी जाती है। पुलिस जानती है। प्रशासन जानता है। यातायात विभाग जानता है। फिर भी सड़कें और जनता बंधक बना दी जाती हैं। हर दल के पास अपनी नाराजगी है, अपनी भीड़ है, अपना प्रदर्शन है। मगर उस आदमी की नाराजगी नजर नहीं आ रही, जो जाम में फंसा हुआ उसी राजनीति को कोस रहा है। लोकतंत्र में जनता सबसे ऊपर होनी चाहिए थी, मगर आज जनता सबसे नीचे दब गई है, नेताओं के भाषणों, पुलिस की बैरिकेडिंग और राजनीतिक अहंकार के तले। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार जरूरी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अपने भू-राजनीतिक केंद्र की ओर लौटता भारत

ज्योति मल्होत्रा

खबरें स्वागत योग्य है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सितंबर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आएंगे- खासकर क्वाड गुट के विदेश मंत्रियों की बैठक के संदर्भ में, जिसके लिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के अलावा जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री भी राजधानी पहुंचे हैं। अगले कुछ दिनों में होने वाला भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन दुर्भाग्यवश टालना पड़ा क्योंकि इबोला वायरस का खतरा फिर से सिर उठाने लगा है। आखिरकार, भारत अपने पुराने भू-राजनीतिक केंद्र की ओर लौटता दिखाई दे रहा है। शायद इसके पीछे डोनाल्ड ट्रम्प का पाकिस्तान के प्रति छिपाए न छिपने वाला लगाव, पश्चिम एशिया में युद्ध से अर्थव्यवस्था पर चोट, और अमेरिका-चीन के बीच संभावित प्रलंयकारी तनाव ही वे वजहें थीं, जिन्होंने ध्यान केंद्रित करवाया।

आखिरकार यह हो रहा है – भले ही विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी सिबी जॉर्ज ने एक युवा नॉर्वेजियन पत्रकार को भारत की प्राचीन सभ्यतागत विरासत पर लंबा-चौड़ा भाषण दिया हो, सिर्फ इसलिए कि उस पत्रकार ने एक ऐसा सवाल पूछ लिया था, जो उन्हें नागवार लगा। यह छोटी सी कीमत है, जो चुकानी पड़ रही है। सच तो यह है कि शी जिनपिंग, व्लादिमीर पुतिन, लूला दा सिल्वा, सिरिल रामाफोसा और नरेंद्र मोदी – ये सभी कुछ ही महीनों में एक वार्ता कक्ष में मौजूद होंगे। ये सब चीन, रूस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और भारत के नेता हैं, जो ब्रिक्स संगठन के संस्थापक सदस्य हैं। क्वाड गुट के विदेश मंत्रियों की बैठक इसका संकेत है कि लंबे समय से टलता आ रहा क्वाड शिखर सम्मेलन भी जल्द ही हो सकता है। यह इस बात का पैमाना है कि चीजें कितनी बदली हैं भले ही वे पहले जैसी न हों, पिछले 12 वर्षों में, जब से प्रधानमंत्री मोदी सत्ता में आए हैं, भारत की विदेश नीति की असली कहानी यही रही है।

भारत ने अमेरिका (जिसके साथ रिश्ते आजकल जरा उतार-चढ़ाव भरे हैं), इस्राइल और यूएई के साथ दोस्ती प्रगाढ़ की है; गलवान की ठंडी-बर्फीली चोटियों पर चीन के साथ आमने-सामने की स्थिति बनी; पाकिस्तान से दोस्ती का हाथ बढ़ाया, लेकिन सीमा पार से जारी आतंकवाद के लिए उसे दंडित भी किया; अपने पड़ोस के अन्य भागों (जैसे बांग्लादेश और श्रीलंका) के साथ रिश्तों को नए सिरे से गढ़ने की कोशिश की; और नीदरलैंड्स के साथ

बराबर की हिस्सेदारी बनाई है। जहां तक नॉर्वे की बात है, तो हम यह जान चुके हैं कि छह अक्षरों के इस नाम में यदि वर्णमाला का 18वां अक्षर हटा दें तो बेहतर तरीके से पुन: व्यवस्थित कर सकते हैं। क्योंकि भारत ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है तो ऐसा भी नहीं है कि कोई नया अंतर्राष्ट्रीय समीकरण बनने वाला है। पिछले से पिछले हफ्ते बीजिंग में ट्रंप का दौरा हमें बताता है कि चीन अमेरिकियों से टकराव करने से बचता रहेगा, क्योंकि अमेरिका उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है। वहीं, गत सप्ताह बीजिंग में पुतिन के दौरे से पता चलता है कि यूक्रेन के साथ अपने गतिरोध वाले युद्ध के चौथे साल में, और पश्चिमी देशों के छिद्र-दार प्रतिबंधों की मदद से, रूस अहम संबंधों,जैसे कि चीन और भारत, को स्थिर रखने की कोशिशें जारी रखेगा। (रूस को पता है कि अमेरिका के साथ चीन के आर्थिक रिश्ते, रूस के प्रति चीन के रवैये को सीमित रखेंगे, भले ही दोनों देश अन्य मामलों पर कितनी भी सहमति क्यों न रखते हों)। चलिए, हम इस दौर का नाम नए दोस्त तलाशने और लोगों को प्रभावित करना रख देते हैं- यहां तक कि वे समाज के उच्च वर्ग यानी संभ्रांत तबके के लोग भी जो देशों को चलाने का काम करते हैं, वे भी उस भावना को समझते हैं जो बहु-संबद्धता में निहित है। यह दुनिया की हकीकतों से मुंह मोड़ना नहीं, जैसा कि गुटनिरपेक्षता में था, बल्कि यह दुनिया से और भी ज़्यादा जुड़ाव है। अब जबकि भारत अपनी आजादी के 80वें साल में प्रवेश कर रहा है, उसे यह बात समझ आ गई कि एक क्षेत्रीय शक्ति के तौर पर, जिसे अपनी परिस्थितियों का सर्वोत्तम उपयोग करना है, उसके लिए बहु-संबंध बनाना ही सबसे उपयुक्त रास्ता है। ऐसा नहीं कि भारत ने अपनी बात खुलकर नहीं कही, तब भी जब पूर्व सोवियत संघ के साथ उसके संबंध गठबंधन जैसे थे।

जब 1958 में बोरिस पेस्टरनाक को उनकी किताब डॉक्टर जविगो के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला, तो जवाहरलाल नेहरू ही थे जिन्होंने लेखक को स्वीडन जाकर मेडल लेने की अनुमति दिलवाने में अगुवाई की थी। ऐसे और भी कई उदाहरण याद आते हैं। इंदिरा गांधी द्वारा मुस्कुरा कर जवाब देने से लेकर – जो उन्होंने एक अमेरिकी पत्रकार को दिया था जब उसने पूछा कि भारत वामपंथ है या दक्षिणपंथी –जिस पर उन्होंने कहा' हम तो सीधे खड़े हैं।

तारीख पर तारीख से मुक्ति की पहल

डॉ. सुधीर कुमार

न्याय के गलियारों में गूंजती 'तारीख पर तारीख' की प्रतिध्वनि दरअसल उस आम आदमी की सिसकी है, जिसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता फाइलों के बोझ तले दम तोड़ रही है। फिल्म 'दामिनी' का वह मशहूर संवाद- 'तारीख पर तारीख मिलती रही है माय लॉर्ड, लेकिन इंसाफ नहीं मिला' महज एक फिल्मी लाइन नहीं, बल्कि भारत की अदालतों की उस कड़वी हकीकत का जीवंत दस्तावेज़ है, जिससे हर रोज देश का आम नागरिक गुजरता है। 'न्याय में देरी, न्याय से वंचित होना है'-यह कहावत भारतीय न्यायपालिका की सबसे बड़ी चुनौती रही है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने इस विसंगति को जड़ से मिटाने के लिए एक क्रांतिकारी पहल की है।

हाल ही में माननीय उच्चतम न्यायालय की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने स्पष्ट किया है कि जमानत याचिकाओं में अनावश्यक देरी न केवल कानूनी विफलता है, बल्कि यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त 'प्राण और दैहिक स्वतंत्रता' के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। 'मेनका गांधी बनाम भारत संघ' के ऐतिहासिक मामले में स्थापित यह सिद्धांत कि 'कानूनी प्रक्रिया उचित, न्यायपूर्ण और तर्कसंगत होनी चाहिए', आज भी हमारी न्यायिक शुचिता की कसौटी है। इलाहाबाद हाई कोर्ट जैसे बड़े न्यायालयों में संसाधनों की भारी कमी और न्यायिक ढांचे पर अत्यधिक दबाव चिंताजनक है, जहां एक न्यायाधीश को प्रतिदिन औसतन 200 जमानत याचिकाओं की सुनवाई करनी पड़ती है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस अरुण कुमार जायसवाल ने 'तारीख पर तारीख' की संस्कृति पर तीखी टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि इस न्यायिक देरी का अनुचित लाभ उठाकर कई दागी व्यक्ति राजनीति के शीर्ष पदों तक पहुंच जाते हैं। न्यायालय ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि देरी के लिए केवल न्यायपालिका ही नहीं, बल्कि पुलिस द्वारा समय पर फोरेंसिक रिपोर्ट और गवाहों को पेश न करना भी समान रूप से जिम्मेदार है। कानूनी परिप्रेक्ष्य में 'स्टेट ऑफ राजस्थान बनाम बालचंद (1977)' के तहत जस्टिस कृष्ण अय्यर का यह सिद्धांत सर्वोपरि है कि 'जमानत एक नियम है और जेल एक अपवाद'।

भारतीय न्यायशास्त्र के अनुसार जब तक दोष सिद्ध न हो, व्यक्ति निर्दोष है। इसके बावजूद, 'तारीख पर तारीख' के चक्रव्यूह में फंसकर विचाराधीन कैदी बिना किसी अपराध के वर्षों जेल में काट देते हैं। इसी न्यायिक जड़ता को तोड़ने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अब जमानत मामलों को हर हफ्ते या अधिकतम दो हफ्ते में लिस्ट करने का निर्देश दिया है। 'सत्येंद्र कुमार अंतिल बनाम सीबीआई (2022)' मामले में भी अदालत ने साफ कहा था कि जमानत में देरी नागरिक की गरिमा पर सीधी चोट है। विकसित देशों में जमानत प्रक्रिया भारत की तुलना में अधिक त्वरित और तकनीक-केंद्रित है।

यूनाइटेड किंगडम में 'बेल एक्ट 1976' के तहत जमानत एक वैधानिक अधिकार है, जिस पर अदालतें कुछ ही घंटों या दिनों में निर्णय लेती हैं । संयुक्त राज्य अमेरिका में 'एक्चुअरियल रिस्क असेसमेंट' और एल्गोरिदम जैसे तकनीकी टूल्स का उपयोग न्यायाधीशों को वस्तुनिष्ठ निर्णय लेने और प्रक्रिया को तेज करने में मदद करता है। इसी दिशा में भारतीय सुप्रीम कोर्ट भी अब 'ऑटोमेटिक लिस्टिंग सिस्टम' पर जोर दे रहा है। इस न्यायिक जड़ता को तोड़ने के लिए 'मद्रास उच्च न्यायालय' की कार्यप्रणाली को राष्ट्रीय मॉडल बनाना होगा। व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा हेतु 'विशेष जमानत अदालतें' या समर्पित 'स्वतंत्रता बेंच' का गठन समय की मांग है। सुधार का दूसरा अनिवार्य स्तंभ 'संस्थागत जवाबदेही' है। जांच एजेंसियों और अभियोजन पक्ष के लिए जवाब दाखिल करने हेतु 72 घंटे से 7 दिनों की सख्त समय-सीमा तय हो। सरकारी पक्ष द्वारा समय मांगे जाने पर 'कॉस्ट इम्पाउन्डिंग' जैसे दंडात्मक उपाय लागू होने चाहिए। साथ ही, अधूरी चार्जशीट और विलंबित जांच पर अंकुश लगाना होगा, जो 'तारीख पर तारीख' का मुख्य कारण हैं। जरूरी है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से एक ऐसा 'केस मैनेजमेंट सिस्टम' विकसित हो, जहां हर मुकदमे का 'लाइफ-साइकिल' पहले से निर्धारित हो। ई-फाइलिंग और अनिवार्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रशासनिक एवं भौतिक पेशी की बाधाएं स्वत: समाप्त हो जाएंगी।

न्याय को मानवीय संवेदनाओं की कसौटी पर कसना होगा। भारी मुचलके न भर पाने के कारण जेलों में बंद गरीब कैदियों के लिए 'पर्सनल बॉन्ड' को प्राथमिकता देना एक साहसी कदम होगा। जब जांच, तकनीक और मानवीय गरिमा का संगम होगा, तभी न्याय की ड्योढ़ी पर आम आदमी का विश्वास बहाल हो सकेगा। सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप लोकतंत्र की जीवंतता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संरक्षण का प्रतीक है। 'तारीख पर तारीख' के फिल्मी संवाद को हकीकत में बदलने के लिए प्रशासनिक जटिलताओं को खत्म करना और 'जेल नहीं, जमानत' के सिद्धांत को धरातल पर उतारना अनिवार्य है। यदि हम स्वचालित प्रणालियों और जवाबदेह कार्यशैली को अपनाते हैं, तो न्याय का रथ तारीखों के बोझ से मुक्त होकर मानवीय गरिमा और त्वरित तर्क के पथ पर अग्रसर होगा। यह केवल एक आदेश नहीं, बल्कि भारतीय न्याय प्रणाली के पुनरुद्धार का एक महा-संकल्प है।

सिर्फ डेस्टिनेशन वेडिंग ही नहीं झीलों के लिए भी फेमस है उदयपुर

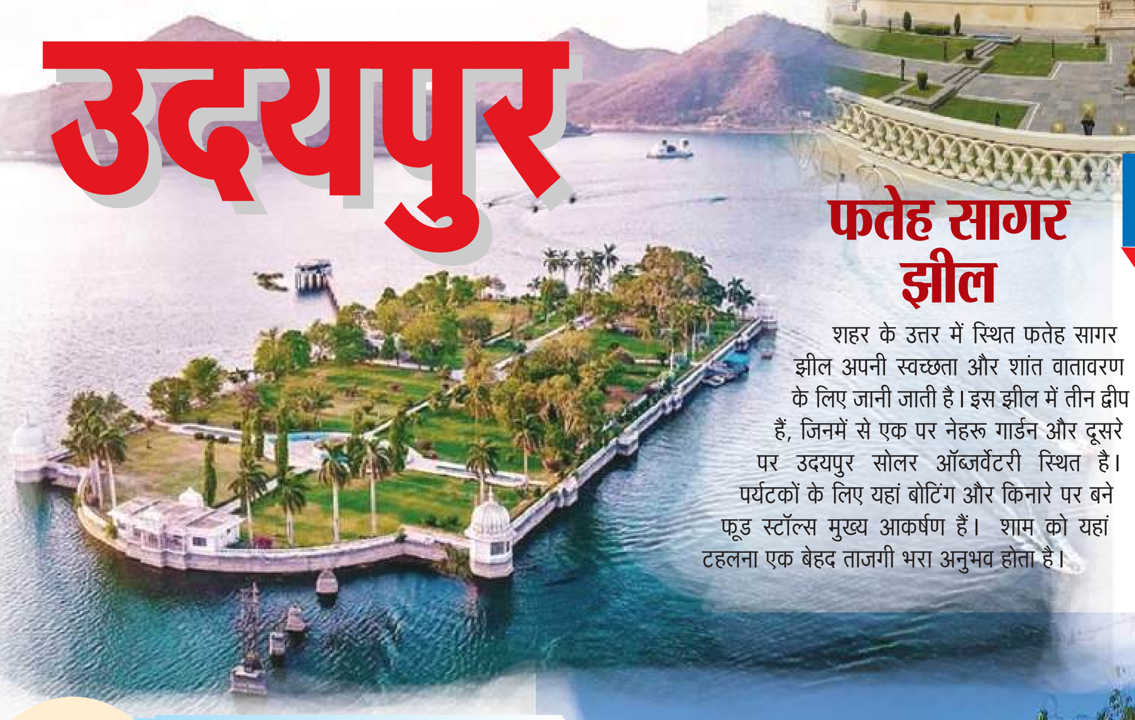

उदयपुर का नाम सुनते ही सामान्य तौर पर लोगों को दिमाग में डेस्टिनेशन वेडिंग का नाम ही सामने आता है। मगर ये एक ऐसा शहर है जो अपने अंदर इतिहास के विरासत को समेटा हुआ है। राजस्थान का उदयपुर शहर आज वैश्विक स्तर पर अपनी डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन यहां के झीलों और एतिहासिक महलों के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। बता दें कि उदयपुर शहर को वेनिस ऑफ द ईस्ट के नाम से भी जाना जाता है। इस शहर का इतिहास जितना गौरवशाली है, इसकी प्राकृतिक सुंदरता उतनी ही मनमोहक है। अरावली की पहाड़ियों से घिरा उदयपुर सोलो ट्रैवलर्स, कपल्स और परिवारों के लिए एक आदर्श पर्यटन स्थल है। यहां की झीलें इस शहर की जीवन रेखा और संस्कृति का केंद्र हैं। यहां के शाही ठाट-बाट, कलात्मक गलियों और छतों पर बने कैफे का अनुभव लेने के लिए देश-विदेश से पर्यटक खिंचे चले आते हैं। अगर आप भी इस खूबसूरत शहर की यात्रा की प्लानिंग कर रहे हैं, तो आइए इस शहर की चार ऐसी जगहों के बारे में जानते हैं जो आपकी बकेट लिस्ट में जरूर होनी चाहिए।

फतेह सागर झील

शहर के उत्तर में स्थित फतेह सागर झील अपनी स्वच्छता और शांत वातावरण के लिए जानी जाती है। इस झील में तीन द्वीप हैं, जिनमें से एक पर नेहरू गार्डन और दूसरे पर उदयपुर सोलर ऑब्जर्वेटरी स्थित है। पर्यटकों के लिए यहां बोटिंग और किनारे पर बने फूड स्टॉल्स मुख्य आकर्षण हैं। शाम को यहां टहलना एक बेहद ताजगी भरा अनुभव होता है।

सिटी पैलेस

पिछोला झील के किनारे स्थित सिटी पैलेस राजस्थान का सबसे बड़ा महल परिसर है। इसका निर्माण 400 से अधिक वर्षों की अवधि में कई शासकों द्वारा किया गया था। महल के भीतर का संग्रहालय, अमर विलास के हैंगिंग गार्डन और शीश महल की नक्काशी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। महल की झरोखों से पूरी झील और शहर का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

पिछोला झील

पिछोला झील उदयपुर की सबसे पुरानी और सुंदर झीलों में से एक है। झील के बीचों-बीच स्थित लेक पैलेस और जग मंदिर इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। यहां शाम के समय बोटिंग का अनुभव जादुई होता है, जब ढलते सूरज की किरणें पानी और महलों पर पड़ती हैं। गंगौर घाट और अंभई घाट से झील का नजारा किसी पेंटिंग जैसा लगता है।

सज्जनगढ़

अरावली की ऊंची चोटी पर स्थित सज्जनगढ़ पैलेस को मानसून पैलेस भी कहा जाता है। इसे महाराणा सज्जन सिंह ने मानसून के बादलों को देखने और शिकारगाह के रूप में बनवाया था। यहां से पूरे उदयपुर शहर और झीलों का जो नजारा दिखता है, वह शायद ही कहीं और मिले। सूर्यास्त देखने के लिए यह उदयपुर की सबसे बेहतरीन जगहों में से एक है। उदयपुर की यात्रा इन चार जगहों को देखे बिना अधूरी मानी जाती है। चाहे आप इतिहास प्रेमी हों या प्रकृति के करीब रहना पसंद करते हों, यह शहर आपको निराश नहीं करेगा।

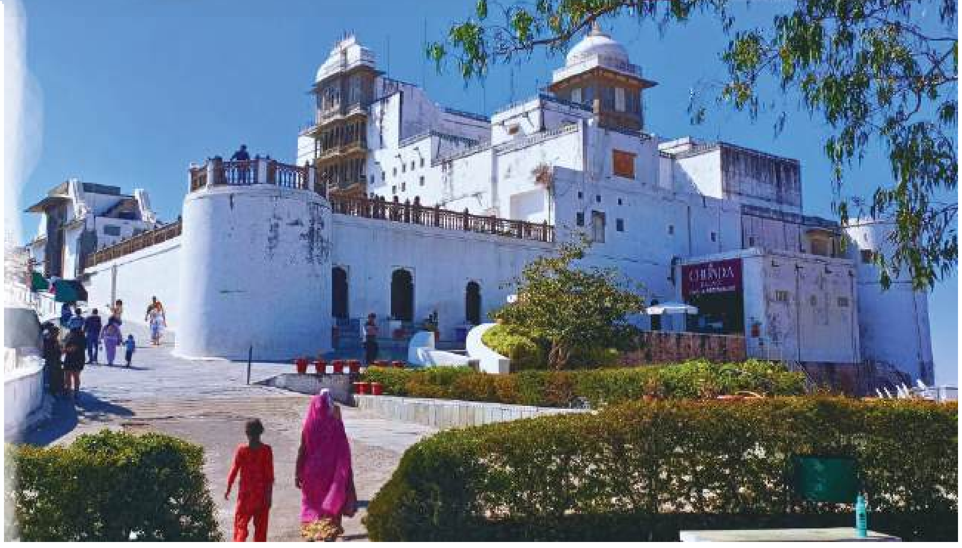

हंसना मना है

गर्लफ्रेंड- मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आये हो, पप्पू- चल पगली-कुछ भी हो, मैं शादी तुमसे ही करूंगा.. आंटी से कहना वो मुझे भूल जाएं।

मोहब्बत के खर्चों की बड़ी लंबी कहानी है, कभी फिल्म दिखानी है तो कभी शॉपिंग करानी है, मास्टरजी रोज कहते है कहां है फीस के पैसे? उन्हें समझाऊं मैं कैसे की मुझे छोरी पटानी है !

पापा: बेटा तुम पास हो या ना हो मैं तुम्हें बाइक जरूर दिला दूंगा।। पप्पू: थैंक्यू पापा जी, पापा: अगर पास हुये तो 'हीरो होन्डा' कॉलेज जाने के लिये, अगर फेल हुये तो 'राजदूत' दूध बेचने के लिये।

फ्रेंड- यार तुम्हारी दुकान मिठाई की है, तो क्या तुम्हारा दिल नहीं करता, मिठाई खाने को? सांता- यार करता तो बहोत है, लेकिन पापा रसगुल्ले गिन के जाते है, तो इसलिए,चूसकर रख देता हूं।

रामू-' श्यामू मैं जिस लड़की को चाहता हूं, उसने मुझसे शादी नहीं की। श्याम-' तुमने उसे बताया कि तेरा चाचा करोड़पती है? रामू - हां मैने बताया था। श्यामू -' तो फिर? रामू - अब वो मेरी चाची है।

कहानी | जीवन की छुपी सम्पदा

एक सुबह सूरज निकलने से पहले एक मांझी नदी के किनारे पहुंच गया था। उसका पैर किसी चीज से टकरा गया, झुक कर उसने देखा, पत्थरों से भरा हुआ एक झोला पड़ा था। उसने अपना जाल किनारे पर रख दिया, वह सुबह सूरज के उगने की प्रतीक्षा करने लगा। सूरज उग आए, वह अपना जाल फेंके और मछलियां पकड़े। वह जो झोला उसे पड़ा हुआ मिल गया था, जिसमें पत्थर थे, वह एक-एक पत्थर निकाल कर शांत नदी में फेंकने लगा। सुबह के सन्नाटे में उन पत्थरों के गिरने की छपाक की आवाज सुनता, फिर दूसरा पत्थर फेंकता। धीरे-धीरे सुबह का सूरज निकला, रोशनी हुई। तब तक उसने झोले के सारे पत्थर फेंक दिए थे, सिर्फ एक पत्थर उसके हाथ में रह गया था। सूरज की रोशनी में देखते ही जैसे उसके हृदय की धड़कन बंद हो गई, सांस रुक गई। उसने जिन्हें पत्थर समझ कर फेंक दिया था, वे हीरे-जवाहरात थे! लेकिन अब तो अंतिम हाथ में बचा था टुकड़ा और वह पूरे झोले को फेंक चुका था। वह रोने लगा, चिल्लाने लगा। इतनी संपदा उसे मिल गई थी कि अनंत जन्मों के लिए काफी थी, लेकिन अंधेरे में, अनजान, अपरिचित, उसने उस सारी संपदा को पत्थर समझ कर फेंक दिया था। लेकिन फिर भी वह मछुआ सौभाग्यशाली था क्योंकि अंतिम पत्थर फेंकने के पहले सूरज निकल आया था और उसे दिखाई पड़ गया था कि उसके हाथ में हीरा है।

कहानी से सीख- साधारणत: सभी लोग इतने सौभाग्यशाली नहीं होते हैं। जिंदगी बीत जाती है, सूरज नहीं निकलता, सुबह नहीं होती, रोशनी नहीं आती और सारे जीवन के हीरे हम पत्थर समझ कर फेंक चुके होते हैं। जीवन एक बड़ी संपदा है, लेकिन आदमी सिवाय उसे फेंकने और गंवाने के कुछ भी नहीं करता है! जीवन क्या है, यह भी पता नहीं चल पाता! जीवन में क्या छिपा था - कौन सा स्वर्ग, कौन सा आनंद, कौन सी मुक्ति - उस सबका कोई भी अनुभव नहीं हो पाता और जीवन हमारे हाथ से रिक्त हो जाता है! ज्ञान रूपी प्रकाश किसी को मिल जाता है तो शेष जीवन तो संवर ही जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष - प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृषभ - आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं।

मिथुन - यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। विवाद होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कर्क - भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

सिंह - नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कन्या - कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

तुला - नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक - तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है।

धनु - कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें।

मकर - आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ - व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मीन - आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे।

शाहरुख खान की फिल्म किंग का हिस्सा होंगे रणवीर सिंह!

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म किंग को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में किंग की शूटिंग की तस्वीरें वायरल हुईं, जिसने लोगों का ध्यान खींचा है। अब खबरें आ रही हैं कि धुरंधर स्टार रणवीर सिंह किंग का हिस्सा होंगे। सोशल मीडिया पर कई फैंस इस बारे में ट्वीट कर रहे हैं। ऑनलाइन चल रही चर्चाओं के मुताबिक, रणवीर जल्द ही अपकमिंग फिल्म किंग में नजर आ सकते हैं। अलग-अलग सोशल मीडिया हैंडल्स पर की गई कुछ अपुष्ट पोस्ट्स में दावा किया गया है कि इस फिल्म में रणवीर एक स्पेशल रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण भी मुख्य भूमिका में हैं। कई पोस्ट के अनुसार रणवीर ने कथित तौर पर लगभग दो हफ्ते पहले इंटरनेशनल शेड्यूल के दौरान किंग के लिए एक खास सीक्वेंस शूट किया है। हालांकि इस प्रोजेक्ट में उनकी भागीदारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मगर

यह चर्चा तब शुरू हुई जब एक्टर को फिल्म के सेट पर देखा गया। शुरुआत में, सेट पर रणवीर सिंह को देखकर यह माना गया था कि यह उनकी एक निजी यात्रा है। खबरें थीं कि रणवीर अपनी गर्भवती पत्नी दीपिका और एक साल की बेटी दुआ के साथ आए थे। हाल ही में रणवीर को फिल्म के क्रू सदस्यों के साथ पोज देते हुए भी देखा गया, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि वह फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं। किंग के एक फैन हैंडल पर एक पोस्ट के मुताबिक फिल्म में रणवीर का रोल अहम हो सकता है। अफवाहें हैं कि एक्टर एक रहस्यमयी संदेशवाहक का रोल निभाएंगे, जो सुहाना खान को खतरों से बचाएगा।

सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही किंग को शाहरुख खान का बड़ा प्रोजेक्ट माना जा रहा है। हाल ही में उनकी दो फिल्में जवान और पठान काफी कामयाब रही हैं। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी और कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

भोजपुरी हसीना अक्षरा सिंह संग नॉटी हुए अक्षय कुमार!

अक्षय कुमार अपने फैंस को एंटरटेन करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। चाहे वो हेलीकॉप्टर से छलांग लगाना हो या फिर भोजपुरी धुन पर नाचना। अपनी आने वाली फिल्म वेलकम टू जंगल को हिट बनाने के लिए अक्षय हर हथकंडा अपना रहे हैं। फिल्म का मच-अवेटेड भोजपुरी गाना घिस घिस घिस रिलीज हो गया है और फैंस को जबरदस्त क्रेजी कर रहा है।

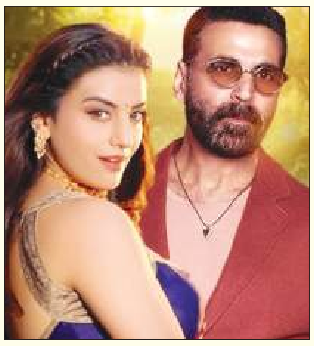

हालांकि ऐसा पहली बार नहीं है जब भोजपुरी सिनेमा और बॉलीवुड का आपस में मेल हो रहा हो। हाल ही में पवन सिंह ने स्त्री 2 के लिए आई नहीं गाना गाया था तो वहीं खेसारी लाल यादव ने सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का पनवाड़ी गाना गाया था। अब वेलकम टू जंगल फिल्म से हाल ही में नया गाना घिस घिस घिस रिलीज हुआ, जहां अक्षय भोजपुरी सिंगर-एक्ट्रेस अक्षरा सिंह संग जमकर कमर मटकाते हुए नजर आए। अक्षय का मस्तमौला अंदाज फैंस के सीधा दिल में उतर गया। एकदम भोजपुरिया स्टार स्टाइल में अक्षय गाने में अपना तड़का लगाया। लंबे बाल-हल्की दाढ़ी, धोती-कुर्ता में अक्षय का अंदाज बेहद मजेदार लगे। गाना में वो भोजपुरी हसीना अक्षरा सिंह से संग खूब जमकर नाचे। गाने के बोल भी बेहद मस्तीभरे सुनाई पड़ते हैं- तोहर लागल बा दिलवा प्लेबॉय से, रगड़ के नहला देब साबुन से।

इतना ही नहीं अक्षय कुमार एकदम भोजपुरी स्टाइल में अक्षरा से ये भी कहते दिखते हैं- तनी पास आवा नॉटी गर्ल। खैर, अक्षय तो जमकर इस गाने का मजा ले रहे हैं। इसे अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए वो लिखते हैं- अगर आपकी जिंदगी थोड़ी ज्यादा ही घिस रही है तो अब वक्त है घिस घिस घिस के साथ अपनी वाइब को बदल लेने का। अक्षय कुमार आने वाली मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म वेलकम टू जंगल में इस बार बिल्कुल अलग अंदाज में नजर सिर्फ गाना ही नहीं बल्कि, अक्षय फिल्म में एक भोजपुरी स्टार का रोल निभा रहे हैं, जो कहानी का सबसे मजेदार और धमाकेदार हिस्सा बताया जा रहा है। अपने किरदार को पूरी तरह असली और देसी टच देने के लिए अक्षय ने भोजपुरी इंडस्ट्री की मशहूर और हाई फीस लेने वाली एक्ट्रेस अक्षरा सिंह की मदद ली है। फिल्म की कहानी एक ऐसे भोजपुरी एक्टर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो छोटे पर्दे और देसी फिल्मों से निकलकर इंटरनेशनल सिनेमा तक पहुंचता है। इस सफर में उसकी जिंदगी में जो कॉमेडी, गड़बड़ियां और मजेदार ट्विस्ट आते हैं, वही फिल्म का असली मजा होने वाला है। फिल्म 26 जून को थियेटर में रिलीज होगी। अक्षय के साथ फिल्म में सुनील शेट्टी, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता समेत बॉलीवुड के कई दिग्गज कलाकार एक साथ नजर आएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

बम की धमकी के बीच दिलजीत दोसांझ की क्रिप्टिक पोस्ट, आज की रात इतिहास के पन्नों में दर्ज होगी

सोमवार को पंजाब नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को एक ईमेल मिला। जिसमें मेयर हाउस, कार्यालय और पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के लुधियाना स्थित घर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इस सूचना के बाद पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। वहीं दिलजीत दोसांझ इस वक्त न्यूयॉर्क में मौजूद हैं, वहीं से वह सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। वह कुछ ऐसा वहां पर कर रहे हैं, जो इतिहास के पन्नों में दर्ज होने वाला है। दिलजीत दोसांझ इस वक्त न्यूयॉर्क में हैं। सोमवार को उन्होंने मैडिसन स्क्वायर गार्डन में परफॉर्म किया। मंगलवार को भी वह यहां पर दूसरे दिन परफॉर्म करेंगे। ऐसा करके उन्होंने एक नया रिकॉर्ड बनाया। इंडियन सिंगर का मैडिसन स्क्वायर गार्डन में दो शो परफॉर्म करना, अपने आप में एक इतिहास रचने जैसा है। यही बात अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में दिलजीत ने भी लिखी है। अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'आज की रात इतिहास के पन्नों में दर्ज होगी।' इस पोस्ट पर मैडिसन स्क्वायर गार्डन भी लिखा है। आगे कई पोस्ट में उनके फैंस नजर आ रहे हैं, जो 'पंजाबी आ गए ओए' जैसे स्लोगन बोल रहे हैं। दिलजीत दोसांझ बतौर सिंगर तो सक्रिय हैं, साथ ही वह एक्टिंग की दुनिया में भी एक्टिव हैं। जल्द ही उनकी एक फिल्म मैं वापस आऊंगा रिलीज होगी। इसमें दिलजीत के अलावा नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी लीड रोल में हैं। फिल्म को इम्तियाज अली ने निर्देशित किया है। फिल्म मैं वापस आऊंगा अगले महीने रिलीज होगी। यह फिल्म 12 जून 2026 को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी।

सालों तक पार्टनर की तलाश करते हैं सांप, 10 साल तक करते हैं इंतजार, दूसरी प्रजाति से नहीं करते मिलन!

इंसानों में तो सिंगल रहने की शिकायत आम है, लेकिन प्रकृति के कुछ जीव ऐसे भी हैं जो इंतजार की मिसाल पेश करते हैं। सांपों की बात करें तो कई प्रजातियां 8 से 10 साल या उससे भी ज्यादा समय तक अपने सही साथी का इंतजार करती हैं। अगर सही पार्टनर नहीं मिला तो वे जबरदस्ती या किसी और प्रजाति के साथ मिलन नहीं करते। यह उनकी वफादारी का अनोखा उदाहरण है। सांपों का प्रजनन व्यवहार बेहद जटिल और रोचक है। ज्यादातर सांप प्रजातियां मौसम के अनुसार मेटिंग करती हैं। मादा सांप फेरोमोन छोड़कर नर को आकर्षित करती है। लेकिन नर को मादा को आकर्षित करने के लिए कई बार लंबा संघर्ष करना पड़ता है। कुछ प्रजातियों में नर सांप मादा के लिए लड़ते भी हैं। फिर भी अगर मादा को नर पसंद नहीं आया तो वह मना कर देती है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार कुछ सांप जैसे रैटल स्नेक, पाइथन और कुछ कोबरा प्रजातियां लंबे समय तक सिंगल रह सकती हैं। खासकर दुर्गम जंगलों और द्वीपों पर रहने वाले सांपों में यह व्यवहार ज्यादा देखा जाता है। जहां जनसंख्या कम है, वहां सही साथी मिलने में कई साल लग जाते हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि कुछ नर सांप 10 साल तक मादा की तलाश में भटकते रहते हैं। इस दौरान वे खाना कम खाते हैं और सिर्फ प्रजनन पर फोकस करते हैं। अगर सही मादा नहीं मिली तो वे मरने तक इंतजार करते हैं। दूसरी प्रजाति के साथ मिलन करने की बजाय वे अकेले जीवन बिताना पसंद करते हैं। यह selectivity प्रजाति की शुद्धता बनाए रखने के लिए जरूरी है। अगर सांप दूसरी प्रजाति से मिलन करें तो संतान कमजोर या अनुपयोगी हो सकती है। प्रकृति ने उन्हें यह सहज बुद्धि दी है कि सही साथी का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। भारत में पाए जाने वाले कई सांप जैसे रॉयल स्नेक, कोबरा और वाइपर भी इसी व्यवहार को दिखाते हैं। मानसून के मौसम में इनका मेटिंग पीरियड होता है। इस समय सांप ज्यादा सक्रिय दिखते हैं। लेकिन फिर भी हर नर-मादा का जोड़ा नहीं बन पाता। सांपों के इस व्यवहार से हमें कई सबक मिलते हैं। पहला-सही साथी के लिए इंतजार करना गलत नहीं है। दूसरा-जबरदस्ती कोई रिश्ता बनाने से बेहतर है अकेले रहना। तीसरा-प्रकृति हर जीव को अपनी प्रजाति के अनुसार जीवन जीने की प्रेरणा देती है। हालांकि सांपों का जीवन जंगलों में खतरे से भरा होता है। कई बार इंतजार करते-करते वे शिकारियों का शिकार हो जाते हैं या सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। इस वजह से कई प्रजातियां लुप्तप्राय हो रही हैं।

अजब-गजब | भगवान दुश्मन को भी ना दिखाए ऐसा दिन!

यहां बेटियों को बेच रहे बाप, गरीबी से बदतर हुए हालात

अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद आम लोगों की जिंदगी नर्क से भी बदतर हो गई है। जहां एक समय लोग सपने देखते थे, वहां आज मजबूरी में बाप अपनी बेटियों को बेचने को तैयार हो रहे हैं। घोर प्रांत से आई यह खबर दिल दहला देने वाली है। गरीबी, भुखमरी और कर्ज के बोझ तले दबे परिवार अब अपनी नन्ही बेटियों को भी बेचकर गुजर-बसर करने पर मजबूर हैं।

संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, घोर प्रांत में चार में से तीन लोग रोजमर्रा की बुनियादी जरूरतें जैसे खाना, कपड़ा और दवाई भी जुटाने में असमर्थ हैं। देशभर में चार मिलियन से ज्यादा लोग अकाल की कगार पर खड़े हैं। विदेशी मदद में भारी कमी और अर्थव्यवस्था के चरमराने ने स्थिति को और बदतर बना दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कर्ज चुकाने के लिए कई परिवारों ने 10-12 साल की बेटियों को 2-5 लाख अफगानी (करीब 2-5 लाख रुपये) में बेच दिया है। कुछ मामलों में खाने-पीने का सामान जुटाने के लिए भी यह मजबूरी आ गई है।

एक स्थानीय व्यक्ति ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया, मेरे पास खाने को कुछ नहीं है। कर्जदार रोज धमका रहे हैं। मजबूरन बेटी को बेचना पड़ा। तालिबान शासन आने के बाद अंतरराष्ट्रीय सहायता रुकी, बैंकिंग सिस्टम ठप पड़ा और रोजगार के अवसर लगभग खत्म हो गए। महिलाओं पर प्रतिबंध के कारण घर की कमाई भी प्रभावित हुई है। पुरुष रोजगार की तलाश में दिन भर भटकते हैं लेकिन काम नहीं मिलता। इसका नतीजा-भुखमरी और मजबूरियां। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न मानवाधिकार संगठनों ने इस स्थिति को गंभीर मानवीय संकट बताया है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अफगानिस्तान में लड़कियों की बिक्री की घटनाएं बढ़ रही हैं। कई परिवार बेटियों को पड़ोसी देशों या स्थानीय स्तर पर बेच रहे हैं। यह ना सिर्फ बाल अधिकारों का उल्लंघन है बल्कि मानव तस्करी की ओर भी इशारा करता है। घोर प्रांत अफगानिस्तान के सबसे गरीब और दुर्गम इलाकों में से एक है। यहां कृषि पर निर्भर लोग सूखे और बाढ़ दोनों से प्रभावित हैं। फसलें खराब होने से खाद्यान्न संकट गहराया है। अस्पतालों में दवाइयों की कमी है। बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। एक मां ने दर्द भरी आवाज में कहा, मेरी बेटी सिर्फ 11 साल की है। उसे बेचते वक्त मेरा दिल टूट गया, लेकिन परिवार को बचाने के लिए यह आखिरी रास्ता था। ऐसी कई कहानियां रोज सामने आ रही हैं। तालिबान प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया है। हालांकि कुछ स्थानीय कमांडरों ने गरीबी कम करने के वादे किए हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मदद की अपील की जा रही है, लेकिन राजनीतिक कारणों से सहायता सीमित है। भारत समेत कई देश अफगानिस्तान की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। मानवीय सहायता भेजने की बात हो रही है, लेकिन तालिबान शासन के कारण सीधे हस्तक्षेप मुश्किल है।

राज्य आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी: ममता

बोलीं- मैं संविधान की शक्ति से अन्याय के खिलाफ डटी रहूंगी

» टीएमसी सुप्रीमो केंद्र सरकार पर भी बरसीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर राज्य आतंकवाद का आरोप लगाया और कहा कि वह पार्टी की कार्रवाइयों का संवैधानिक और कानूनी तरीकों से मुकाबला करती रहेंगी। दल कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने हावड़ा रेलवे स्टेशन के पास हाल ही में हुई तोड़फोड़ की आलोचना करते हुए संविधान और न्यायपालिका का हवाला दिया। बनर्जी ने कहा कि मैं न्यायपालिका को याद दिलाना चाहती हूं कि वे कानून के सच्चे रक्षक हैं... मैं राज्य आतंकवाद के खिलाफ कानूनी लड़ाई जारी रखूंगी।

मैं देखूंगी कि किसकी शक्ति अधिक है संविधान की या बंदूक की नली की। उनकी ये टिप्पणियां इस महीने की शुरुआत में हावड़ा रेलवे स्टेशन के पास कथित अवैध ढांचों को गिराए जाने के बाद बढ़ते राजनीतिक टकराव के बीच आई हैं। यह अभियान भारी पुलिस बल की तैनाती और बुलडोजर व अन्य मशीनों की मदद से चलाया गया था। टीएमसी सुप्रीमो ने केंद्र सरकार पर भी हमला किया और भाजपा को भविष्य में राजनीतिक परिणामों की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जब आप दिल्ली में सत्ता से गिरेंगे, तो आपको अपने कार्यों के परिणाम भुगतने होंगे — हम उस दिन का इंतजार कर रहे हैं। अपनी सरकार की पिछली पुनर्वास नीतियों से तुलना करते हुए, बनर्जी ने कल्याणी एक्सप्रेस सेतु परियोजना का उदाहरण दिया। उन्होंने आरोप लगाया कल्याणी एक्सप्रेस सेतु के निर्माण के दौरान सड़क पर 43 घर प्रभावित हुए थे, और हमने उनके पुनर्वास के लिए ठीक वैसे ही 43 घर बनाए। अब वहां लूटपाट, तोड़फोड़ और हर तरह के निशान मिटाने की कोशिशें हो रही हैं।

हावड़ा स्टेशन क्षेत्र पर नगर निगम की कार्रवाई से नाराज

16 मई को चलाए गए विध्वंस अभियान में हावड़ा स्टेशन क्षेत्र में नगर निगम अधिकारियों द्वारा अनधिकृत अतिक्रमण के रूप में चिह्नित ढांचों को निशाना बनाया गया। इस कार्रवाई के बाद तृणमूल कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और पश्चिम बंगाल में नवगठित भाजपा सरकार पर बुलडोजर संस्कृति को बढ़ावा देने और फेरीवालों और निवासियों को जबरन बेदखल करने का आरोप लगाया। इससे पहले टीएमसी नेताओं ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया और बेदखली अभियान के खिलाफ कोलकाता और आसपास के इलाकों में व्यापक विरोध प्रदर्शन की घोषणा की। भाजपा सरकार का कहना है कि यह तोड़फोड़ अभियान व्यस्त रेलवे स्टेशन क्षेत्र के आसपास अवैध अतिक्रमणों को हटाने और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में सुधार करने के उद्देश्य से चलाया गया था।

अभिषेक को नोटिस पर टीएमसी भड़की

कोलकाता पुलिस पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के शांतिनिकेतन स्थित तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी के आधिकारिक आवास पर पहुंची, जो 188ए हरीश मुखर्जी रोड पर है। हालांकि, अधिकारी बिना कोई बयान जारी किए थोड़ी देर बाद ही वहां से चले गए। यह घटनाक्रम टीएमसी द्वारा संचालित कोलकाता नगर निगम (केएमसी) द्वारा अभिषेक को उनसे जुड़ी कई संपत्तियों के संबंध में नोटिस जारी करने और उनसे स्वीकृत भवन योजनाओं से संबंधित दस्तावेज दिखाने के निर्देश देने के कुछ दिनों बाद सामने आया है। अभिषेक के स्वामित्व वाली या उनसे जुड़ी 17 से 21 संपत्तियों के संबंध में भेजे गए ये नोटिस कोलकाता नगर निगम अधिनियम, 1980 की धारा 40(1) के तहत भेजे गए थे। यह अधिनियम अधिकारियों को अनधिकृत निर्माण के संबंध में स्पष्टीकरण मांगने का अधिकार देता है। हालांकि, कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने नोटिसों से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया था। टीएमसी विधायक हकीम ने पिछले हफ्ते कहा था कि केएमसी अधिनियम के अनुसार, हम नीति निर्माता हैं, और मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

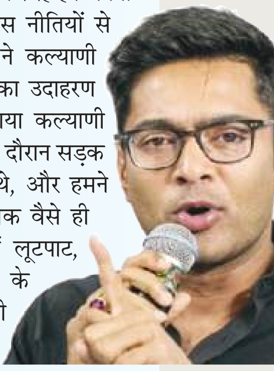

हिमाचल नगर निकाय चुनावों में हार से बौखलाई भाजपा: विनय

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोले- झूठे आरोप लगा रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा है कि नगर निकाय चुनावों में मिली करारी हार के बाद भाजपा अब चार नगर निगमों और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनावों में संभावित हार को देखकर बौखला गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा झूठ बोलकर प्रदेश की जनता से सहानुभूति बटोरने का असफल प्रयास कर रही है।

विनय कुमार ने कहा कि भाजपा नेता राज्यपाल के समक्ष झूठी शिकायतें कर रहे हैं और प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कई गुटों में बंटी भाजपा के नेता अपने वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता सच और झूठ दोनों को अच्छी तरह समझती है तथा प्रदेश में जनमत कांग्रेस के साथ है। नगर निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में कांग्रेस की जीत ने यह साबित कर दिया है कि प्रदेश के लोग कांग्रेस की नीतियों और निर्णयों के समर्थन में खड़े हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा नेताओं को सलाह देते हुए कहा कि उन्हें राजनीतिक द्वेष छोड़कर प्रदेश के लोगों की भलाई के लिए, सरकार का सहयोग करना चाहिए। साथ ही केंद्र सरकार के समक्ष हिमाचल की ग्रांट बहाल करवाने में भी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। वहीं बिलासपुर जिले में आज पंचायत चुनाव प्रक्रिया के तहत कुल 62 ग्राम पंचायतों में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से जारी रहा। जिला प्रशासन के अनुसार सुबह 11 बजे तक लगभग 39 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। उपायुक्त राहुल कुमार ने बताया कि पूरे मतदान क्षेत्र में कानून–व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। और कहीं से किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

पंजाब निकाय चुनाव-2026 में वोटिंग जारी

» बिक्रम मजीठिया ने चुनाव प्रक्रिया पर उठाए गंभीर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में मंगलवार सुबह 8 बजे से निकाय चुनाव के लिए मतदान शुरू हो गया है। राज्य के आठ नगर निगम, 75 नगर कौंसिल और 20 नगर पंचायत सहित कुल 103 निकायों के 1896 वार्डों में मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। चुनाव को लेकर पूरे राज्य में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है।

विपक्ष का आरोप- वोटर्स को बूथ तक जाने से रोका

अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर पंजाब में चुनाव प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम और नगर काउंसिल चुनावों के दौरान बड़ी संख्या में वोटरों को मतदान केंद्रों तक पहुंचने से रोका गया तथा विपक्षी उम्मीदवारों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

पंजाब निकाय चुनाव में मतदान जारी है। सुबह 10 बजे तक कुल 14.5 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई। पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग पत्नी अमृता वड़िंग के साथ बैलगाड़ी पर सवार होकर मुक्तसर के वार्ड नंबर पांच में वोट डालने पहुंचे। महंगाई के खिलाफ सांकेतिक विरोध जताते हुए उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल के दाम इस कदर बढ़ गए हैं कि आम आदमी के लिए गाड़ी चलाना मुश्किल हो गया है।

किसानों की मदद नहीं कर रहा केंद्र: रेड्डी

» तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने लगाया आरोप, बोले- फसल भी नहीं खरीद रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्र सरकार पर तीख हमला किया। उन्होंने फसल न खरीदने के लिए आलोचना की। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि धान, मक्का आदि की खरीद में केंद्र सरकार ने सिर्फ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा की है, इसके अलावा वह कुछ नहीं कर रही है। आज राज्य के सीपीएम प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने खाद्यान्न खरीद, मूसी पुनर्जीवन परियोजना की प्रगति और गरीब वर्गों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षा प्रणाली में सुधार जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

वामपंथी दल के नेताओं से खरीद के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार 30 प्रतिशत फसल भी नहीं खरीद रही है। किसानों द्वारा उगाई गई हर एक फसल केवल राज्य सरकार ही खरीद रही है। मुख्यमंत्री ने वामपंथी दल के नेताओं को पश्चिम बंगाल में चुनावों के कारण हमाली (लोडर) की कमी के बारे में भी बताया। विज्ञप्ति में आगे कहा गया है, मौजूदा लू के कारण दोपहर में केंद्रों पर खरीद प्रक्रिया रुक गई।

शिक्षा क्षेत्र में सुधार पर जोर

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि गरीबों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से संपूर्ण शिक्षा क्षेत्र में सुधार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नाश्ते और दोपहर के भोजन में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना और तेलंगाना के सरकारी स्कूलों की स्थापना शिक्षा को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है। सीपीएम नेताओं को अरुतला पब्लिक स्कूल का दौरा करने का सुझाव दिया।

मुख्यमंत्री ने खरीद प्रक्रियाओं की निरंतर समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों को राहत प्रदान करने के लिए उत्तम किस्म के धान पर प्रति क्विंटल 50 रुपये का बोनस और मक्का पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) भी दे रही है। मुख्यमंत्री रेवंत ने वामपंथी दलों के नेताओं को मूसी नदी के किनारे विस्थापितों को मूसी पुनर्जीवन परियोजना के तहत दी जा रही राहत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, सरकार विस्थापितों के लिए आवास स्वीकृत कर रही है।

जीटी-आरसीबी फाइनल से एक कदम दूर

» पहला क्वालिफायर मैच आज धर्मशाला में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धर्मशाला। आईपीएल 2026 का सीजन अब अपने समाप्ति की ओर बढ़ रहा है। ग्रुप चरण खत्म हो चुका है और चार टीमें प्लेऑफ में जगह बना चुकी हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस के बीच मंगलवार को धर्मशाला में आईपीएल 2026 सीजन का क्वालिफायर-1 मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों ने ग्रुप चरण में दमदार प्रदर्शन किया और शीर्ष दो पर रहकर प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। इस मैच में जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में जाएगी, जबकि हारने वाली टीम को एक मौका और मिलेगा। क्वालिफायर-1 में हारने वाली टीम एलिमिनेटर की विजेता से क्वालिफायर-2 में खेलेगी।

मालूम हो कि प्लेऑफ में आरसीबी, गुजरात, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स की टीमें पहुंची हैं। आरसीबी और गुजरात शीर्ष दो में शामिल हैं, जबकि हैदराबाद तीसरे और राजस्थान अंक तालिका में चौथे स्थान पर रही। धर्मशाला पहाड़ों पर स्थित है, इसलिए यहां हर पल मौसम बदलता रहता है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, धर्मशाला में मंगलवार को बारिश की संभावना 25 प्रतिशत है और आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। भले ही मैच के दिन बारिश की संभावना ज्यादा नहीं है, लेकिन धर्मशाला में मौसम कभी भी बदल सकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान तो फैंस के लिए राहत भरे हैं। तेज गेंदबाजों की मददगार धर्मशाला की पिच पर आईपीएल के इस सत्र में बल्लेबाजों ने सहजता से बड़े स्कोर बनाए हैं और मंगलवार को आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले पहले क्वालिफायर मैच में मुख्य मुकाबला बल्लेबाजों और तेज गेंदबाजों के बीच होने की संभावना है।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट ने विकेटकीपर-बल्लेबाज कुसल मेंडिस को व्हाइट-बॉल कप्तान नियुक्त किया है। तीन से सात जुलाई तक दोनों टीमें तीन वनडे, तीन टी20 और दो टेस्ट मैच खेलेंगी। इस बीच चार-दिवसीय वॉर्मअप मुकाबला भी खेला जाना है। 31 वर्षीय कुसाल मेंडिस वनडे और टी20 दोनों सीरीज में श्रीलंका की कप्तानी करेंगे, जबकि धनंजय डी सिल्वा दो मुकाबलों की टेस्ट सीरीज के लिए टेस्ट टीम के कप्तान बने रहेंगे। श्रीलंका क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर टीमों की घोषणा करते हुए कहा, श्रीलंका क्रिकेट की चयन समिति ने श्रीलंका के वेस्टइंडीज दौरे 2026 के लिए इन टीमों का चयन किया है। इस दौरे में तीनों फॉर्मेट- वनडे, टी20 और टेस्ट क्रिकेट के मैच खेले जाएंगे। लीडरशिप में यह बदलाव इस साल की शुरुआत में श्रीलंका के निराशाजनक टी20 विश्व कप अभियान के बाद हुआ है। शनाका की कप्तानी में टीम नॉकआउट दौर के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई थी। शनाका 16-सदस्यीय टी20 टीम में बने हुए हैं, जबकि असलंका को वनडे टीम में शामिल किए जाने के बावजूद टी20 टीम से बाहर कर दिया गया है। स्टार ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा की वापसी हुई है। टी20 वर्ल्ड कप के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने के बाद उन्हें वनडे और टी20 दोनों टीमों में शामिल किया गया है। इस चोट की वजह से वह फरवरी की शुरुआत से ही टीम से बाहर थे और लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ आईपीएल सीजन भी नहीं खेल पाए थे।

नेता प्रतिपक्ष ने पीएम की विदाई की बात दोहराई

» भाजपा और कांग्रेस में वार पलटवार शुरू
» राहुल गांधी बोले- एक साल में चले जाएंगे पीएम मोदी
» बीजेपी ने कहा- सरकार अंगद की पैर की तरह, सौ राहुल भी न हिला सकेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के नरेंद्र मोदी की प्रधानमंत्री पद से विदाई को लेकर किए गए दावों पर सियासी घमासान मच गया है। इसको लेकर भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार शुरू हो गया है। जहां इस दावे पर बीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि सरकार अंगद के पैर की तरह स्थिर है और 100 राहुल गांधी भी इसे हिला नहीं सकते। विवाद के बीच राहुल गांधी ने एक बार फिर अपनी बात दोहराई।

उन्होंने कहा कि मोदी जाने वाले हैं। इतना ही नहीं कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर 80 और 90 के दशक में अगर दलितों पर ध्यान दिया जाता तो क्षेत्रीय दल नहीं होते। दिल्ली में कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग की बड़ी रणनीतिक बैठक हुई, ये बैठक कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने बुलाई थी। इसमें राहुल गांधी मुख्य रूप से शामिल हुए. सूत्रों के मुताबिक, मीटिंग में राहुल गांधी ने कहा है कि अगर कांग्रेस ने 198० और 1990 के दशक में अनुसूचित जाति समुदाय को मजबूती से फोकस किया होता तो क्षेत्रीय क्षेत्रीय दल राजनीतिक रूप से मजबूत नहीं हो पाती।

पीएम मोदी एक्सपोज हो चुके हैं : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आर्थिक मोर्चे पर घेरते हुए कहा कि मोदी जी एक साल में जाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और अमेरिका के साथ हुए ट्रेड डील जैसे मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक्सपोज हो चुके हैं।

दलित भागीदारी बढ़ाने पर राहुल गांधी का जोर

बैठक में ये भी तय किया गया कि पार्टी संगठन और सरकारों में दलितों की भागीदारी को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां सत्ता और संगठन दोनों स्तरों पर अनुसूचित जाति समुदाय को अधिक प्रतिनिधित्व देने की रणनीति पर चर्चा हुई, इस अहम बैठक में दक्षिण भारत के 15 राज्यों के 380 जिला अध्यक्षों और प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. इसका मुख्य फोकस दलित समुदाय के बीच कांग्रेस संगठन को मजबूत करना, जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ बढ़ाना और सामाजिक न्याय के मुद्दों को लेकर रणनीति तैयार करना रहा।

'भस्मासुर राहुल गांधी' अब ज्योतिषी भी बन गए : भाटिया

भाजपा नेता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा, एक और टूलकिट सामने आई, जिसमें कहा गया कि देश की सेवा में पूरी ताकत से जुटी यह सरकार एक साल में गिर जाएगी। हमें नहीं पता था कि 'भस्मासुर राहुल गांधी' अब ज्योतिषी भी बन गए हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी लगातार विरोधाभासी बयान देकर देश में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। बीजेपी नेता ने कहा कि पूरी दुनिया इस समय आर्थिक संकट और अस्थिरता से जूझ रही है, लेकिन भारत ने मजबूती दिखाई है। उन्होंने कहा, कई देशों की अर्थव्यवस्था कमजोर हुई है, जबकि पिछले 85 दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने मजबूत स्थिति बनाए रखी है। भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर और मजबूत है। गौरव भाटिया ने कहा कि यदि राहुल गांधी का मकसद देश में अराजकता फैलाना है, तो बीजेपी का संकल्प भारत को और मजबूत बनाने का है। उन्होंने कहा, आप चाहे जितनी कोशिश कर लें, हम भारत को आगे ले जाने के लिए उतने ही दृढ़ हैं। बीजेपी ने विपक्ष पर देश की छवि खराब करने और राजनीतिक अस्थिरता का माहौल बनाने का आरोप भी लगाया।

राहुल गांधी पाकिस्तानी एजेंट हैं : नितेश राणे

महाराष्ट्र में नितेश राणे ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए उन्हें पाकिस्तानी एजेंट बताया और कहा कि उनकी बयानबाजी बाहरी दखलंदाजों से प्रभावित है। राहुल गांधी के इस बयान के बाद कि मौजूदा एनडीए सरकार आर्थिक संकट के कारण अगले साल तक नहीं टिक पाएगी नितेश राणे ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए दावा किया कि कांग्रेस सांसद सीमा पार के हितों को खुश करने के लिए भड़काऊ बयान दे रहे हैं। यह तीखी बहस राहुल गांधी द्वारा कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग सलाहकार परिषद की बैठक में की गई टिप्पणियों से उपजी है। केंद्र की आर्थिक नीतियों के मुखर आलोचक रहे गांधी ने चेतावनी दी कि मौजूदा सरकार की नींव अस्थिर है।

नींद की झपकी बन गई मौत दस लोगों की चली गई जान

» आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बस पलटने से दारोगा-कैदी समेत छह मरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव-बाराबंकी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर औरास क्षेत्र में मंगलवार सुबह छह बजे 10 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दिल्ली से बिहार जा रही स्लीपर बस चालक को झपकी आने से अनियंत्रित होकर अंडरपास की पुलिया के डिवाइडर से टकरा बाईं ओर एल्युमिनियम गार्ड तोड़ते हुए भारी वाहन लेन में पलट गई। हादसे में बिहार पुलिस के दारोगा, एक कैदी समेत छह लोगों की मौत हो गई और 22 यात्री घायल हो गए। वहीं बाराबंकी में कैंचीधाम जा रहे चार दोस्तों की मौत भी इसी कारण हो गई।

वहीं आगरा एक्सप्रेस वे पर जा रही श्री सरोज ट्रैवल्स की स्लीपर में बस में लगभग 45 यात्री सवार थे। हादसे के समय अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। तभी सुबह लगभग छह बजे औरास क्षेत्र के निंभाखेड़ा के पास चालक को झपकी आने से बस का पिछला हिस्सा अंडरपास के कंक्रीट डिवाइडर से टकरा गया। जिससे बस अनियंत्रित होकर बाईं ओर आ गई और एल्यूमिनियम गार्ड तोड़ते हुए भारी वाहन लेन में पलट गई। बस के पलटते ही कई यात्री सीटों से उछलकर एक-दूसरे के ऊपर जा गिरे। लगभग 1०मिनट बाद यूपीडा और औरास पुलिस ने पहुंचकर राहत कार्य शुरू कराया। घायलों को सीएचसी भेजा गया, जहां बिहार के सिवान निवासी दारोगा रविचरन व हरियाणा निवासी कैदी छत्रपाल को डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। उनके साथ मौजूद एक सिपाही घायल हो गया। दारोगा कैदी के बयान दर्ज कराने दिल्ली ले गए थे और वहां से वापस लौट रहे थे। हादसे में गोरखपुर निवासी सुरेश जायसवाल, विजेशी गुप्ता और विजय कुमार की भी मौत हो गई। एक दिवंगत की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी पहचान की कोशिश कर रही है। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे की भारी और हल्के वाहनों की लेन लगभग एक घंटे तक बंद रही। मृतकों में दारोगा रविचरन उम्र निवासी सिवान, बिहार,सुरेश कुमार जायसवाल पुत्र रामाधार निवासी मुंडेरा बाजार जनपद गोरखपुर,विजेशी गुप्ता पुत्र मिश्री गुप्ता निवासी पिपराइच जनपद गोरखपुर,विजय कुमार पुत्र रामजीत निवासी कसानगंज जनपद बस्ती,छत्रपाल तोमर निवासी हरियाणा छठवां मृतक अज्ञात।

बाराबंकी में हाईवे पर मौत का मंजर, लाशें देख कांप गए लोग, तीन गंभीर

कैंची धाम के दर्शन का सपना लिए भोर के अंधेरे में शांत हाईवे पर इनोवा में बैठे युवक फर्राटा भर रहे थे। अचानक धड़ाम की आवाज हुई और सन्नाटा चीखों में बदल गया। एक पल में सब कुछ खत्म हो गया। चार युवक इस दुनिया से रुखसत हो गए और तीन जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। जानकारी के अनुसार इनोवा सवार युवक वाराणसी से कैंची धाम दर्शन करने के लिए निकले थे। तड़के करीब 3.00 बजे उनकी गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। हादसा लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर हैदरगढ़ क्षेत्र में भिखरा गांव के पास हुआ। घटना के बाद राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने कार में फंसे युवकों को बाहर निकालना शुरू किया। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। वहां पर तीन की हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने ट्रॉमा सेंटर, लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। वहीं चार को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतकों में इनोवा सवार गाजीपुर के गैबीपुर निवासी राहुल सिंह (35), चंदौली के मुगलसराय निवासी राहुल कुमार (36), बलिया के रामपुर रसडा निवासी सत्यम (38) और ट्रक खलासी गाजीपुर निवासी सूरज यादव (30 शामिल हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। नेता प्रतिपक्ष लोकसभा व सांसद द्वारा प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को लेकर दिए गए बयान से भाजपा कार्यकर्ताओं ने रोष बढ़ता जा रहा है। प्रगति पुरम निवासी भाजपा कार्यकर्ता व अधिवक्ता शकील अहमद खान ने सोमवार को राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दायर किया।

उनके द्वारा न्यायालय को अवगत कराया गया कि नेता प्रतिपक्ष ने 2० मई को डीह के लोधवारी गांव में जनसभा में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह गृहमंत्री अमित शाह आदि के खिलाफ अभद्र व मानहानि कारक शब्दों का प्रयोग किया गया, जिससे विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की छवि धूमिल हुई है। मामले की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट पंचम अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन विनयशील ने की। सुनवाई के उपरांत न्यायालय ने 15 जून की तिथि बयान के लिए नियत की है।

हर मुद्दे पर बोलना जरूरी नहीं : रिजिजू

कॉकरोच जनता पार्टी आंदोलन पर बोले केंद्रीय मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार को हर मुद्दे या सोशल मीडिया ट्रेंड पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार गंभीर कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर रही है और देश का संचालन उसके चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा किया जाता है।

डिब्रूगढ़ में बात करते हुए, रिजिजू ने कहा कि हम गंभीर कार्यों में लगे हुए हैं। हर बात पर प्रतिक्रिया देना उचित नहीं है... कुछ नहीं होगा। जनता देश चलाती है। वे अपना वोट डालते हैं, अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं और देश की सेवा करते हैं। हम गंभीर मुद्दों पर ध्यान देते हैं, लेकिन हर बात पर टिप्पणी करना जरूरी नहीं है। उनकी यह टिप्पणी कॉकरोच जनता पार्टी आंदोलन पर आई है, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत द्वारा अदालत की सुनवाई के दौरान की गई टिप्पणियों से जुड़े विवाद के बाद एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन विरोध के रूप में शुरू हुआ था। एक कानूनी याचिका पर एक व्यक्ति को फटकार लगाते हुए, अदालत ने कथित तौर पर कम रोजगार वाले युवा सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को कॉकरोच और परजीवी कहकर संबोधित किया था।

हालांकि मुख्य न्यायाधीश ने बाद में स्पष्ट किया कि टिप्पणियों को गलत तरीके से उद्धृत किया गया था और उनका उद्देश्य केवल फर्जी कानून की डिग्रियों का इस्तेमाल करने वाले व्यक्तियों को निशाना बनाना था, लेकिन नुकसान हो चुका था। जनरेशन और मिलेनियल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने तिलचट्टा लेबल को गर्व के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया और एक व्यंग्यात्मक राजनीतिक दल का गठन किया, जिसने डिजिटल माध्यमों पर मुख्यधारा के राजनीतिक संगठनों को भी पीछे छोड़ दिया।

बिहार विधान परिषद चुनाव का हुआ एलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

10 सीटों पर 18 जून को वोटिंग

पटना। बिहार विधान परिषद की 9 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव का कार्यक्रम भारत निर्वाचन आयोग ने जारी कर दिया इसके अलावा एक सीट पर उपचुनाव कराया जाएगा। राज्यसभा सदस्य बनने के बाद पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने विधान परिषद से इस्तीफा दे दिया था। इसके अनुसार 29 जून 2026 को 9 एमएलसी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। चुनाव की अधिसूचना 1 जून को जारी होगी।

नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 जून तय की गई है। 9 जून को नामांकन प्रपत्रों की स्क्रूटनी की जाएगी। 11 जून तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद 18 जून को सुबह 9 से 4 बजे तक मतदान कराया जाएगा।

मतदान के बाद उसी दिन मतगणना की जाएगी। 20 जून तक पूरी प्रक्रिया समाप्त कर ली जाएगी। एक सीट के उपचुनाव का कार्यक्रम भी 9 सीटों के चुनाव के अनुसार ही होना तय किया गया है। इस सीट पर निर्वाचित होने वाले सदस्य का कार्यकाल 6 मार्च 2०3० तक रहेगा। 28 जून 26 को जिन नेताओं का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें डॉ. कुमुद वर्मा, प्रो. गुलाम गौस, मो. फारूक, भीष्म साहनी, श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, संजय मयूख, समीर कुमार सिंह, सम्राट चौधरी और सुनील कुमार सिंह शामिल हैं। सीएम सम्राट चौधरी और मंत्री श्रीभगवान सिंह कुशवाहा ने विधानसभा चुनाव में जीत के बाद 16 नवंबर 25 को विधान परिषद सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया था। चुनाव एवं उपचुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने के साथ ही राज्य की सियासत में सरगर्मी बढ़ जाएगी। हालांकि पहले से ही रणनीति तेज हो चुकी है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा